International Journal of Multidisciplinary Research and Development

Volume: 2, Issue: 9, 516-520
Sep 2015
www.allsubjectjournal.com
e-ISSN: 2349-4182
p-ISSN: 2349-5979
Impact Factor: 4.342

Sonia Rani
Research Scholar, Lingaya's University.Faridabad.

Jharana Manjari Lenka
Dean, School of Education, Lingaya's University, Faridabad.

Subash Chandra
Assistant Professor, School of Education, Lingaya's University, Faridabad.

Correspondence
Sonia Rani
Research Scholar, Lingaya's University.Faridabad.

विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के प्रति बी0एड0 एवं एम0एड0 प्रशिक्षणार्थियों की राय का एक अध्ययन।

Sonia Rani, Jharana Manjari Lenka, Subash Chandra

शोध सांराश – प्रस्तुत अध्ययन में बी0एड0 व एम0एड0 कक्षा में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों की विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के व्यावसायिक पक्ष विभिन्न पहलुओं के प्रति राय का अध्ययन किया गया है। इस अध्ययन हेतु शोधकर्ता द्वारा शोध की सर्वेक्षण विधि एवं वर्णनात्मक विधि का प्रयोग किया गया है। शोधकर्ता द्वारा शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की राय जानने के लिए अभिमतावली का निर्माण किया गया। विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के व्यावहारिक पक्ष के तहत ही प्रशिक्षणार्थियों की राय से यह ज्ञात हुआ कि विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षकों को पोलियों ड्रॉप पिलाना, मतदाता सूची बनाना आदि कार्य करने के कारण वे अपना वास्तविक कार्य शिक्षण सुचारु रूप से नहीं कर पाते हैं। अतः राज्य सरकार द्वारा उनके इन अतिरिक्त कार्यभारों को कम करना चाहिए जिससे वे शिक्षण सुचारु रूप से कर सकें।

प्रमुख शब्दावली – विशिष्ट बी0टी0सी0 ए बी0एड0 प्रशिक्षणार्थियों ए एम0एड0 प्रशिक्षणार्थियों ए राय।

प्रस्तावना

वर्तमान में प्राथमिक शिक्षकों की भारी कमी के चलते विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाया जा रहा है। इसमें प्राथमिक शिक्षकों की कमी को पूरा करने हेतु उत्तर प्रदेश सरकार ने बी0एड0 प्रशिक्षित स्नातकों के लिए लघु अवधि (6 माह) का विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम प्रारम्भ किया। बी0एड0 उपाधि धारक माध्यमिक शिक्षा में शिक्षण कार्य हेतु प्रशिक्षित किये जाते हैं तथा एम0एड0 उपाधि धारक शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में शिक्षण हेतु प्रशिक्षित किये जाते हैं परन्तु हमारे सामने एक प्रश्न अनायास ही कौंध जाता है कि बी0एड0 व एम0एड0 प्रशिक्षणार्थी उच्च शैक्षिक योग्यता, धारक होकर भी प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षण कार्य करने हेतु विवश क्यों हो रहे हैं। वर्तमान समय में यह एक ज्वेलंत प्रश्न है कि इन उच्च योग्याताधारियों के विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के माध्यम से प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश करने से प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो रहा है अथवा नहीं। प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश पाने वाले बी0एड0 व एम0एड0 प्रशिक्षणार्थियों की विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम को चयन करने की आवश्यकता तथा उसके प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में पड़ने वाले प्रभाव को ज्ञात करने के लिए विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के प्रति बी0एड0 व एम0एड0 में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों की राय का अध्ययन करने की आवश्यकता है।

अध्ययन उद्देश्य

1. विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के व्यावसायिक पक्ष के प्रति समस्त शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की राय जानना।
2. विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के व्यावसायिक पक्ष के प्रति पुरुष शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों एवं महिला शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की राय जानना।
3. विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के व्यावसायिक पक्ष के प्रति बी0एड0 शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों एवं एम0एड0, शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की राय जानना।

अवधाराणाएँ

1. विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के व्यावसायिक पक्ष के प्रति समस्त शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की राय सामान्य है।
2. विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के व्यावसायिक पक्ष के प्रति पुरुष शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों एवं महिला, शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की राय सामान्य है।
3. विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के व्यावसायिक पक्ष के प्रति बी0एड0 शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों एवं एम0एड0, शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की राय सामान्य है।

अध्ययन विधि – प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के व्यावसायिक पक्ष प्रति बी0एड0 व एम0एड0 में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों की राय जानना था। फलतः अध्ययन के उद्देश्यों को

ध्यान में रखते हुये इस अध्ययन हेतु शोधकर्ता द्वारा शोध की सर्वेक्षण विधि एवं वर्णनात्मक विधि का प्रयोग किया गया है।

न्यादर्श – प्रस्तुत अध्ययन में अनुसंधान के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु यादृच्छिक विधि द्वार एम0जे0पी0 रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय (कैंपस) बरेली में अध्ययनरत बी0एड0 व एम0एड0 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया गया तथा उनसे दत्त संकलन किया गया है। जिसका विवरण निम्न तालिका द्वारा दर्शाया गया है।

प्रयुक्त उपकरण –प्रस्तुत अध्ययन के लिए उपकरणों के चयन हेतु निर्मित उपलब्ध उपकरणों को देखने पर ज्ञात हुआ कि अध्ययन के उद्देश्यों की पूर्ति से सम्बन्धित कोई भी उपकरण उपलब्ध नहीं था। अतः प्रदत्तों के संकलन हेतु शोधकर्ता द्वारा विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के व्यावसायिक पक्ष प्रति बी0एड0 एवं एम0एड0 के शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की राय जानने के लिए अभिमतावली का निर्माण किया गया।

प्रयुक्त सांख्यिकी –प्रस्तुत शोध में अध्ययन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुये प्रतिशत (:) का प्रयोग किया गया है।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या –प्रस्तुत अध्ययन में बी0एड0 व एम0एड0 कक्षा में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों (पुरुष व महिला) की विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के व्यावसायिक पक्ष विभिन्न पहलुओं के प्रति राय का अध्ययन किया गया है। जिसका विवरण निम्न प्रकार है –

तालिका संख्या–1: बेरोजगारी के कारण विशिष्ट बी0टी0सी0 एक उत्तम विकल्प है।

छात्र समूह	हाँ		नहीं	
	संख्या		संख्या	
पुरुष	76	78	22	22
महिला	30	94	2	6
बी0एड0	78	78	22	22
एम0एड0	28	93	2	7
समस्त	106	82	24	18

तालिका को देखने से स्पष्ट होता है कि 82 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों का मानना है कि बेरोजगारी के कारण विशिष्ट बी0टी0सी0 एक उत्तम विकल्प है। इसी प्रकार न्यादर्श को जब लिंग के आधार पर बांटा गया तब पुरूषों में से 78 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों ने तथा 94 प्रतिशत महिला प्रशिक्षणार्थियों ने कथन के प्रति सकारात्मक राय प्रकट की। पुनः जब न्यादर्श के बी0एड0 व एम0एड0 प्रशिक्षणार्थियों की राय प्राप्त की गयी तब बी0एड0 के 78 प्रतिशत व एम0एड0 के 93 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों ने सकारात्मक राय प्रकट की। प्रशिक्षणार्थियों की इस आम राय का कारण भारत में रोजगार के अधिक अवसरों का न होना हो सकता है।

तालिका संख्या –2: विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षक का आर्थिक रूप से भविष्य सुरक्षित है।

छात्र समूह	हाँ		नहीं	
	संख्या		संख्या	
पुरुष	76	78	22	22
महिला	27	84	5	16
बी0एड0	76	76	24	24
एम0एड0	27	90	3	10
समस्त	103	79	27	21

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की राय (79 प्रतिशत) में विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षक का भविष्य आर्थिक रूप से सुरक्षित है। पुनः जब न्यादर्श को लिंग के आधार पर बांटा गया तब 78 प्रतिशत पुरूष व 84 प्रतिशत महिला प्रशिक्षणार्थी कथन से संतुष्ट मिले। इसी प्रकार जब न्यादर्श को बी0एड0 व एम0एड0 के आधार पर बांटा गया तब 76 प्रतिशत बी0एड0 व 90 प्रतिशत महिला प्रशिक्षणार्थियों ने कथन से संतुष्टी प्रदान की। कथन के प्रति आम सहमति का कारण विशिष्ट बी0टी0सी0 में वेतन का पर्याप्त रूप में मिलना हो सकता है।

तालिका संख्या –3: जो व्यक्ति अन्य क्षेत्रों में प्रवेश पाने में असफल होते हैं वे ही प्रायः विशिष्ट बी0टी0सी0 चुनते हैं।

छात्र समूह	हाँ		नहीं	
	संख्या		संख्या	
पुरुष	59	60	39	40
महिला	23	72	9	28
बी0एड0	58	58	42	42
एम0एड0	24	80	6	20
समस्त	82	63	48	37

उपरोक्त तालिका से प्रदर्शित होता है कि अधिकतम 63 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों का मानना है कि जो व्यक्ति अन्य क्षेत्रों में जाने में असफल होते हैं वे ही प्रायः विशिष्ट बी0टी0सी0 चुनते हैं। पुनः जब न्यादर्श को लिंग के आधार पर पुरुष व महिला में बांटा गया तब भी लगभग समान राय क्रमशः 60 प्रतिशत, 72 प्रतिशत प्राप्त हुयी। इसी प्रकार बी0एड0 के 58 प्रतिशत की व एम0एड. के 80 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों की राय सकारात्मक प्राप्त हुयी। इस कथन के प्रति अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की सकारात्मक राय का कारण विशिष्ट बी0टी0सी0 का अन्य रोजगार क्षेत्रों की अपेक्षा प्रवेश में सुगमता हो सकती है।

तालिका संख्या–4: विशिष्ट बी0टी0सी0 एक सरकारी नौकरी है अतः नौकरी खोने का डर नहीं रहता है।

छात्र समूह	हाँ		नहीं	
	संख्या		संख्या	
पुरुष	83	85	15	15
महिला	27	84	5	16
बी0एड0	82	82	18	18
एम0एड0	28	93	2	7
समस्त	110	85	20	15

विशिष्ट बी0टी0सी0 एक सरकारी नौकरी है अतः नौकरी खोने का डर नहीं रहता है जब इस कथन के प्रति राय जानने का प्रयास किया गया तब 85 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों ने सकारात्मक राय प्रकट की। पुनः जब न्यादर्श को लिंग के आधार पर बांटा गया तब 85 प्रतिशत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों व 84 प्रतिशत महिला प्रशिक्षणार्थियों ने सकारात्मक राय प्रकट की। इसी प्रकार जब न्यादर्श को बी0एड0 व एम0एड के आधार पर बांटा गया तब बी0एड0 के 82 व एम0एड0 के 93 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों ने सकारात्मक राय प्रकट की। इस कथन के प्रति आम राय का कारण सरकारी नौकरी में व्यावसायिक स्थिरता न होना हो सकता है।

तालिका संख्या –5: अन्य किसी भी गैर सरकारी संस्था की तुलना में विशिष्ट बी0टी0सी0 में वेतन अधिक मिलता है।

छात्र समूह	हाँ		नहीं	
	संख्या		संख्या	
पुरुष	56	56	43	44
महिला	19	59	13	41
बी0एड0	53	53	47	47
एम0एड0	21	70	9	30
समस्त	74	57	56	43

तालिका संख्या 20 से प्रदर्शित होता है कि 57 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों की राय में अन्य किसी गैर सरकारी संस्था में शिक्षण

की तुलना में विशिष्ट बी0टी0सी0 में वेतन अधिक मिलता है। न्यादर्श के 56 प्रतिशत पुरूष व 59 प्रतिशत महिला प्रशिक्षणार्थियों ने भी कथन पर अपना समर्थन प्रकट किया। पुनः जब न्यादर्श को बी0एड0 व एम0एड0 के आधार पर बांटा गया तब बी0एड0 के 53 प्रतिशत एम0एड0 के 70 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों ने कथन का समर्थन किया। इस कथन पर आम सहमति का कारण विशिष्ट बी0टी0सी0 का एक सरकारी नौकरी का होना हो सकता है।

तालिका संख्या –6: मेरा मानना है कि विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षक वेतन के अतिरिक्त भी धर्नाजन कर सकता है।

छात्र समूह	हाँ		नहीं	
	संख्या		संख्या	
पुरुष	70	71	28	29
महिला	19	59	13	41
बी0एड0	69	69	31	31
एम0एड0	20	67	10	33
समस्त	89	68	41	32

मेरा मानना है कि विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षक वेतन के अतिरिक्त भी धनार्जन कर सकता है, जब इस कथन के प्रति प्रशिक्षणार्थियों की राय जानने का प्रयास किया गया तब कुल 68 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों ने कथन का समर्थन किया। जब न्यादर्श को लिंग के आधार पर बांटा गया तब 71 प्रतिशत पुरूष व 59 प्रतिशत महिला प्रशिक्षणार्थी कथन से संतुष्ट मिले। इसी प्रकार न्यादर्श के 69 प्रतिशत बी0एड0 प्रशिक्षणार्थियों व 67 प्रतिशत एम0एड0 प्रशिक्षणार्थियों ने भी कथन पर सकारात्मक राय प्रकट की। इस कथन पर अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की सकारात्मक राय का कारण विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षक द्वारा डपक.क्ंल.डमंसए ठनपसकपदह. निदक आदि में अपना व्यक्तिगत आर्थिक लाभ प्राप्त करने की संभावना हो सकता है।

तालिका संख्या –7: विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षक का वेतन पर्याप्त है।

छात्र समूह	हाँ		नहीं	
	संख्या		संख्या	
पुरुष	49	50	49	50
महिला	25	78	7	22
बी0एड0	60	60	40	40
एम0एड0	14	47	16	53
समस्त	74	57	56	43

विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षक का वेतन पर्याप्त है कथन के प्रति राय जानने पर ज्ञात हुआ कि 57 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों की राय सकारात्मक है। इसी प्रकार जब न्यादर्श को बी0एड0 व एम0एड0 के आधार पर बांटा गया तब भी अधिकतर बी0एड0 प्रशिक्षणार्थियों की राय सकारात्मक प्राप्त हुयी (बी0एड0, 60 प्रतिशत) पुनः जब न्यादर्श को लिंग के आधार पर बांटा गया तब पुरूषों में से 50 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी कथन से संतुष्ट प्राप्त हुये तथा महिलाओं में से 78 प्रतिशत संतुष्ट मिली। इस कथन के प्रति अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों की सकारात्मक राय का कारण वेतन का सामान्य जीवन यापन के लिए पर्याप्त होना हो सकता है।

तालिका संख्या –8: मैं रोजगार प्राप्ति सुगम होने के कारण विशिष्ट बी0टी0सी0 चुनूँगा।

छात्र समूह	हाँ		नहीं	
	संख्या		संख्या	
पुरुष	68	69	30	31
महिला	18	56	14	44
बी0एड0	65	65	35	35
एम0एड0	21	70	9	30
समस्त	86	66	44	34

तालिका के निरीक्षण से स्पष्ट है कि कुल 66 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों की राय कथन, मैं रोजगार प्राप्ति सुगम होने के कारण विशिष्ट बी0टी0सी0 चुनूँगा'' के पक्ष में हैं। न्यादर्श को जब लिंग भेद के आधार पर बांटा गया तब 69 प्रतिशत पुरूष व 56 प्रतिशत महिला प्रशिक्षणार्थी कथन के पक्ष में मिले। इसी प्रकार बी0एड0 के भी 65 प्रतिशत व एम0एड0 के 70 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों ने कथन का समर्थन किया। इस कथन पर व एम0एड0 के 70 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों ने कथन का समर्थन किया। इस कथन पर आम सहमति का कारण विशिष्ट बी0टी0सी की चयन प्रक्रिया मं प्रतियोगी परीक्षा का न होना भी हो सकता है।

अतः संक्षेप में कहा जा सकता है कि विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के व्यावसायिक पक्ष से सम्बन्धित कथनों पर शोधकार्य में सम्मिलित न्यादर्श इकाइयों की राय में विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम का चयन करने में व्यावसायिक पक्ष एक महत्वपूर्ण आयाम है। व्यवसायिक स्थिरता व भविष्य का आर्थिक रूप से सुरक्षित अनुभव करने के कारण ही प्रशिक्षणार्थी इसकी ओर आकर्षित हो रहे हैं। रोजगार अवसरों की अनउपलब्धता के कारण भी प्रशिक्षणार्थी उच्च शैक्षिक योग्यता धारक होते हुये भी विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के आकर्षण में फंसकर प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश कर रहे हैं।

अध्ययन के निष्कष

1. न्यादर्श के अधिकतर 82 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों ने स्वीकार किया कि बेरोजगारी के कारण विशिष्ट बी0टी0सी0 एक उत्तम विकल्प है। पुरूषों 78 प्रतिशत की अपेक्षा महिलाओं 94 प्रतिशत की स्वीकृति का प्रतिशत लगभग 16 प्रतिशत अधिक प्राप्त हुआ। इसी प्रकार बी0एड0 के 78 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों की अपेक्षा एम0एड0 के 93 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों ने कथन का समर्थन किया।
2. विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षक का आर्थिक रूप से भविष्य सुरक्षित है कथन के प्रति 79 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों ने सकारात्मक राय प्रकट की। पुरूषों की सहमति का प्रतिशत 78 प्रतिशत व महिलाओं का 84 प्रतिशत प्राप्त हुआ। इसी प्रकार बी0एड0 प्रशिक्षणार्थियों का 76 प्रतिशत व एम0एड0 के 90 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों ने कथन का समर्थन किया।
3. न्यादर्श के अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों 63 प्रतिशत की राय में जो व्यक्ति अन्य क्षेत्रों में प्रवेश पाने में असफल होते हैं वे ही प्रायः विशिष्ट बी0टी0सी0 चुनते हैं। पुरूषों व महिला प्रशिक्षणार्थियों की राय भी सम्पूर्ण न्यादर्श के लगभग बराबर 60 प्रतिशत, 72 प्रतिशत प्राप्त हुयी। बी0एड0 के प्रशिक्षणार्थियों की राय 58 प्रतिशत सहमति के रूप में प्राप्त हुयी जबकि एम0एड0 प्रशिक्षणार्थियों की स्वीकृति का स्तर अधिक 80 प्रतिशत प्राप्त हुआ।
4. विशिष्ट बी0टी0सी0 एक सरकारी नौकरी है अतः नौकरी खोने का डर नहीं रहता है कथन के प्रति 85 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों ने सकारात्मक राय प्रकट की। पुरूष व महिला की राय का स्वीकृति स्तर भी क्रमशः 85 प्रतिशत, 84 प्रतिशत प्राप्त हुआ। इसी प्रकार बी0एड0 के 82 प्रतिशत ने व एम0एड0 के 93 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों ने कथन का समर्थन किया।
5. न्यादर्श के 57 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों ने स्वीकार किया कि अन्य किसी भी गैर सरकारी संस्था की तुलना में विशिष्ट बी0टी0सी0 में वेतन अधिक मिलता है। पुरूषों में से कथन स्वीकृति/अस्वीकृति का प्रतिशत मिला जुला 56 प्रतिशत (हाँ), 44 प्रतिशत (नहीं) प्राप्त हुआ। अधिकतर महिलाओं 59 प्रतिशत ने कथन का समर्थन किया। बी0एड0 प्रशिक्षणार्थियों की राय कथन पर बँटी हुयी हाँ– 53 प्रतिशत, नहीं 47 प्रतिशत प्राप्त हुयी परन्तु एम0एड0 के अधिकतर प्रशिक्षणार्थी 70 प्रतिशत कथन से संतुष्ट पाये गये।
6. न्यादर्श का एक बड़ा भाग 68 प्रतिशत यह स्वीकार करता है कि विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षक वेतन के अतिरिक्त भी धनार्जन कर सकता है। पुरूषों में से भी अधिकतर प्रशिक्षणार्थियों 71

प्रतिशत ने कथन का समर्थन किया जबकि महिला प्रशिक्षणार्थियों में से 59 प्रतिशत ने कथन का समर्थन किया। बी0एड0 व एम0एड0 प्रशिक्षणार्थियों की कथन स्वीकृति का प्रतिशत लगभग बराबर–बराबर ही (69 प्रतिशत, 67 प्रतिशत) प्राप्त हुआ।

7. विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षक का वेतन पर्याप्त है ऐसा न्यादर्श के 57 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थियों का मानना है जबकि 43 प्रतिशत इससे असंतुष्ट हैं। पुरूषों में भी कथन की राय के प्रति विरोधाभास 50 प्रतिशत सहमत व 50 प्रतिशत असहमत के रूप में प्रकट होता है। बी0एड0 के अधिकतर 60 प्रशिक्षणार्थी कथन से सहमत हैं जबकि एम0एड0 के प्रशिक्षणार्थियों की राय कथन पर मिली जुली (47 प्रतिशत हाँ, 53 प्रतिशत नहीं) प्राप्त हुयी।
8. मैं रोजगार प्राप्ति सुगम होने के कारण ही विशिष्ट बी0टी0सी0 चुनूँगा कथन पर अधिकतर प्रशिक्षणार्थी 66 प्रतिशत संतुष्ट पाये गये। पुरूषों में से भी अधिकतर 69 प्रतिशत ने कथन का समर्थन किया परन्तु महिला प्रशिक्षणार्थियों की राय कथन पर मिश्रित (हाँ 56 प्रतिशत, नहीं 44 प्रतिशत) प्राप्त हुयी। बी0एड0 व एम0एड0 प्रशिक्षणार्थियों की राय भी सम्पूर्ण न्यादर्श की राय से मेल खाती (65 प्रतिशत, 70 प्रतिशत) प्राप्त हुयी।

शैक्षिक निहितार्थ

1. विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के सामाजिक पक्ष के प्रति प्रशिक्षणार्थियों की राय से यह ज्ञात हुआ कि विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षक की सामाजिक राय पर लोग ध्यान नहीं देते हैं। अतः समाज के विभिन्न व्यक्तियों द्वारा विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षक की समाज के लिए उपयोगी राय पर ध्यान देना चाहिए।
2. विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के व्यावहारिक पक्ष के प्रति प्रशिक्षणार्थियों की राय से यह ज्ञात हुआ कि विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षक को ग्रामीण क्षेत्र में कार्य करना पड़ता है जिससे उन्हें असुविधा होती है इसलिए राज्य सरकार को इस ओर ध्यान देते हुये ग्रामीण क्षेत्र के साथ–साथ शहरी क्षेत्र में भी नियुक्ति प्रदान करनी चाहिए। महिलाओं के विषय में इस पर गम्भीरतापूर्वक विचार करना चाहिए।
3. ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन के लिए पर्याप्त साधनों की व्यवस्था कराई जाये।
4. विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के व्यावहारिक पक्ष के तहत ही प्रशिक्षणार्थियों की राय से यह ज्ञात हुआ कि विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षकों को पोलियों ड्रॉप पिलाना, मतदाता सूची बनाना आदि कार्य करने के कारण वे अपना वास्तविक कार्य शिक्षण सुचारु रूप से नहीं कर पाते हैं। अतः राज्य सरकार द्वारा उनके इन अतिरिक्त कार्यभारों को कम करना चाहिए जिससे वे शिक्षण सुचारु रूप से कर सकें।
5. विशिष्ट बी0टी0सी0 के व्यावसायिक पक्ष के अध्ययन से स्पष्ट हुआ कि प्रशिक्षणार्थियों की राय में रोजगार विकल्प कम होने के कारण मजबूरी में भी वे विशिष्ट बी0टी0सी0 का चयन करते हैं। अतः राज्य सरकार रोजगार के अवसरों की उपलब्धता को बढ़ाकर बी0एड0 व एम0एड0 प्रशिक्षणार्थियों की समस्या का निवारण कर सकती है।
6. विशिष्ट बी0टी0सी0 के ज्ञानात्मक पक्ष के अध्ययन से पता चलता है कि न्यादर्श के अधिकतर इकाइयों की राय में विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षक जब प्राथमिक छात्रों को पढ़ाते हैं तब उनमें कुण्ठा उत्पन्न हो जाती है। अतः इसके निवारण हेतु विशिष्ट बी0टी0सी0 शिक्षकों के लिए पर्याप्त प्रशिक्षण व समय–समय पर कार्यशालाओं का संचालन किया जाना चाहिए।

भावी अनुसंधान हेतु सुझाव

1. प्रस्तुत शोध मात्र एम0जे0पी0 रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय (परिसर) के प्रशिक्षणार्थियों तक ही सीमित है। भावी शोधकर्ता इससे अधिक विस्तृत क्षेत्र को आधार बनाकर शोधकार्य सम्पन्न कर सकते हैं।
2. प्रस्तुत शोध केवल बी0एड0 व एम0एड0 में अध्ययनरत प्रशिक्षणार्थियों की राय तक ही सीमित हैं। भावी शोधकर्ता बी0एड0 व एम0एड0 प्रशिक्षणार्थियों की राय का सांख्यिकीय राय से तुलनात्मक अध्ययन भी कर सकते हैं।
3. प्रस्तुत शोध में लिंग के आधार पर विशिष्ट बी0टी0सी0 प्रोग्राम के प्रति राय का अध्ययन किया गया है। भावी शोधकर्ता उनकी आयु स्तर व शहरी, ग्रामीण परिवेश के आधार पर अध्ययन कर सकते हैं।
4. प्रसतुत शोध में मात्र 130 विद्यार्थियों का न्यादर्श के रूप में चयन कर अध्ययन कार्य किया गया है। भविष्य में इसे और बड़े न्यादर्श पर सम्पादित कर और प्रभावी व उचित परिणाम प्राप्त किये जा सकते हैं।
5. प्रस्तुत शोध केवल बी0एड0 व एम0एड0 प्रशिक्षणार्थियों तक ही सीमित है। भावी शोधकर्ता बी0पी0एड0 एवं बी0एड0/एम0एड0 प्रशिक्षणार्थियों की राय का सांख्यिकीय रूप से तुलनात्मक अध्ययन भी कर सकता है।
6. प्रस्तुत शोध में केवल बी0एड0/एम0एड0 प्रशिक्षणार्थियों की राय को विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के प्रति अध्ययन किया गया है। भावी शोधकर्ता विशिष्ट बी0टी0सी0 कार्यक्रम के प्रति प्रशिक्षणोपरान्त शिक्षकों की राय का अध्ययन किया जा सकता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. सिंह, एन.पी., (2007), शिक्षा के दार्शनिक आधार, मेरठःआर. लाल बुक डिपो।
2. पचौरी, गिरीश, (2006), उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक, मेरठः इण्टरनेशनल पब्लिशिंग हाउस।
3. कॉल, लोकेश, (2007), शैक्षिक अनुसंधान की कार्य प्रणाली, नोएडा : विकास पब्लिशिंग हाउस।
4. कपिल, एच.के., (1995), अनुसंधान विधियाँ, आगरा : हर प्रसाद भार्गव बुक हाउस।
5. गैरिट, एच.ई., (2007), शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी के प्रयोग, नई दिल्ली : कल्याणी पब्लिकेशन।
6. भटनागर, ए.बी., (1992), मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, मेरठ : सूर्या पब्लिकेशन।
7. सुलेमान, मोहम्मद, (1999), शोध प्रणाली विज्ञान, शाहदरा : नव प्रभात प्रिंटर्स प्रेस।
8. पाठक, पी.डी., (1998), भारतीय शिक्षा और उसकी समस्यायें, आगराः विनोद पुस्तक मंदिर।
9. सक्सेना, एन.आर., मिश्रा, बी.के. एवं मोहंती, आर.के., (2004), शिक्षक शिक्षा, मेरठ : सूर्या पब्लिकेशन।
10. ढौंडियाल, एस. एवं फाटक, ए. (2006), शैक्षिक अनुसंधान का विधि शास्त्र, जयपुर : राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी।
11. शर्मा, आर.ए., (2006), शिक्षा अनुसंधान, मेरठ : आर. लाल बुक डिपो।
12. बेस्ट, जे.डब्ल्यू. एवं काहन, जे.पी. (2004), शिक्षा में अनुसंधान, नई दिल्लीः प्रिंटस हॉल ऑफ इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड।
13. सक्सेना, एन.आर., (2008), शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धान्त, मेरठ, आर. लाल. बुक डिपो।
14. राय, के.बी. : गुजराती माध्यम के वृहत बंबई में प्राथमिक विद्यालयों का सामाजिक सर्वेक्षण, पी.एच.डी. सै. एस.एन.डी.टी. , 1975.
15. सुखवाल, के.डी. : शादीशुदा महिला शिक्षकों का शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति पी.एच.डी. एजुकेशन, उदयपुर विश्वविद्यालय, 1976.
16. जैन, डी. (1999), शिक्षा का गिरता स्तर : दोषी कौन, प्राइमरी शिक्षक, जनवरी 99, नई दिल्ली : एन.सी.ई.आर.टी.।

17. सिंह, आर. (2001), बेसिक शिक्षाक परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत सामान्य बी.टी.सी. एवं विशिष्ट बी.टी.सी. अध्यापकों की प्रशिक्षणोपरान्त अभिवृत्ति का अध्ययन, लघु शोध प्रबन्ध, शिक्षा संकाय, रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली।
18. मिश्र, आशीष (2005), आयु वर्ग के आधार पर विशिष्ट बी.टी. सी. शिक्षकों की व्यावसायिक संतुष्टि का एक अध्ययन, लघु शोध प्रबन्ध, शिक्षा संकाय, रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली।
19. कन्नोजिया, एन. (2006), विशिष्ट बी.टी.सी. शिक्षकों की ग्रामीण प्राथमिक विद्यालय में नियुक्ति के प्रति उनके दृष्टिकोण का एक अध्ययन, लघुशोध प्रबन्ध, शिक्षा संकाय, रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली।
20. पाठक, एल. (2007), प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षा मित्र एवं विशिष्ट बी.टी.सी. प्रशिक्षण प्राप्त अध्यापकों की शिक्षण अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन, लघुशोध प्रबन्ध, शिक्षा संकाय, रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली।
21. दैनिक जागरण, (यू.पी. में सहायक शिक्षक भर्ती मामले में नोटिस), पृष्ठ–1, दैनिक समाचार पत्र 28.09.2008 प्रकाशित, बरेली।